**National Open Universities in the Country**

2725. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the number of national open universities in the country;

(b) whether steps have been taken by Government to make these universities effective and purposeful; and

(c) if so, the details therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) to (c) The Indira. Gandhi National Open University (IGNOU), which is the only national open university in the country, was established by an Act of Parliament in 198S for the introduction and promotion of open university and distance education systems in the educational pattern of the country and for the coordination and determination of standards in such systems. IGNOU has so far launched 58 academic programmes in various disciplines. The aggregate enrolment of students is around 2.50 lakhs. The University has established an extensive students support services network consisting of 16 Regional Centres and 244 Study Centres situated in different parts of the country. IGNOU's printed course material is supplemented by audio-video programmes as well as broadcasts on AIR and Doordarshan.

With the objective of fulfilling its role as an apex body for distance education in the country, IGNOU has set up a Distance Education Council (DEC) for coordination and determination of standards in Open Universities.

**यूरिया की मांग**

2726. **श्रीमती सुषमा स्वराज** :

**श्री राय जेठमलानी** :

क्या **रासायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) क्या देश में यूरिया की वार्षिक मांग 13 मिलियन टन हैं जिसमें से 7 मिलियन टन स्वदेशी उत्पादन से पूरी की जाती है और शेष आयात द्वारा पूरी की जाती है;

(ख) यदि नहीं, तो 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के वर्षो के दौरान देश में यूरिया की कितनी मांग थी और इन वर्षो के दौरान यूरिया का स्वदेशी उत्पादन कितना था;

(ग) क्या चालू वर्ष के दौरान 3 मिलियन टन यूरिया का आयात किया गया है;

(घ) यदि नहीं, तो उसकी मात्रा कितनी है और किन-किन संस्थानों ने किस-किस मूल्य पर कितना-कितना यूरिया आयात किया है; और

(ड) क्या बजट में निर्धारित मूल्य की तुलना में आयातित यूरिया का मूल्य ज्यादा है; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं?

**रासायन और उर्वरक मंत्री (श्री राम लखन सिंह यादव)** : (क) जी, नहीं।

(ख) वर्ष 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान देश में यूरिया की आवश्यकता और उत्पादन निम्नलिखित है:-

(मात्रा लाख मीटरी टन में)

| वर्ष | उत्पादन | खपत |
|---|---|---|
| 1992-93 | 131.22 | 149.06 |
| 1993-94 | 131.48 | 158.10 |
| 1994-95 | 142.82 | 171.12 |

(ग) से (ड) अप्रैल-अक्तूबर 1995 की अवधि के दौरान 1309.32 करोड़ रुपए की लागत एवं मालभाड़ा मूल्य पर कुल 18.04 लाख टन यूरिया का आयात नामित सरणीबद्ध अभिकरणों, एमएमटीसी लि0, स्टेट ट्रेडिंग कोर्पोरेशन आफ इंडिया लि0 (एस0टी0सी) , पाइराइट्स फास्फेट्स एण्ड केमिकल्स लि0 (पीपीसीएल) और नेशनल फर्टिलाइजर्स लि0 द्वारा किया गया है। वर्ष की शेष अवधि के दौरान आयात के स्तर का सही अनुमान लगाना संभव नहीं है क्योंकि वह विभिन्न तत्वों जैसे देश में उर्वरकों का स्वदेशी उत्पादन और इस की प्रवृत्ति अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में मूल्य स्थिति विश्व व्यापी मांग और आपूर्ति लागत भुगतान सन्तुलन आदि पर निर्भर करती है। तदनुसार आयात की सही मूल्य का अनुमान नहीं लगाया जा सकता।